ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–११ जुलाई २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ेक्स– ०७७७४–२३२९८६

विगत सप्ताह का मौसम (०५ से ११ जुलाई २०१७)

अजिरमा, अंबिकापुर स्थित कृषि मौसम वेधशाला में दर्ज आंकड़ो के अनुसार विगत सात दिनो के दौरान आसमान में बादल छाये रहे एवं कुछ स्थानों पर मध्यम से भारी वर्षा हुई तथा सूर्य की तीव्र रोशनी की अवधि ०.० से ४.७ घंटे के बीच दर्ज की गई । इस दौरान औसतन अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमशः **२८.०** डि.से. (सामान्य से १.९ डि.से. कम) तथा **२२.५** डि.से. (सामान्य से ०.५ डि.से. कम) दर्ज किया गया है । इस दौरान हवा की औसत गति व वाष्पीकरण दर क्रमशः ५.० कि.मी. प्रति घंटा व २.४ मि.मी. प्रति दिन थी । प्रातः कालीन औसत आर्द्रता व मृदा का तापमान (५, १० व २० से.मी. पर) क्रमशः **९०%** व २४.०, २४.५ व २५.० डि॰से॰ दर्ज की गई जबकि यह दोपहर में क्रमशः **८०%** व २८.२, २७.२ व २६.६ डि॰से॰ दर्ज की गई । इस दौरान **१३९.६** मिमी. वर्षा रिकार्ड की गई ।

दिनांक	अधिकतम तापमान (°C)	न्युनतम तापमान (°C)	वर्षा (मि०मी०)	सापेक्ष आर्दता (%)		हवा की गति (कि.मी. प्रति घंटा)	सूर्य प्रकाश अवधि (hr)	वाष्पन (मि०मी०)
				सुबह	दोपहर			
०५ जुलाई २०१७	26.5	20.6	21.2	95	78	7.2	0.0	2.7
०६ जुलाई २०१७	28.0	22.4	14.0	92	72	7.4	0.8	2.0
०७ जुलाई २०१७	29.2	24.0	0.0	77	66	3.4	0.3	2.2
०८ जुलाई २०१७	30.6	24.0	0.0	78	79	3.4	0.2	2.7
०९ जुलाई २०१७	30.0	23.5	1.8	92	90	4.7	4.7	3.0
१० जुलाई २०१७	26.0	22.0	69.2	98	87	4.5	0.6	2.2
११ जुलाई २०१७	26.0	21.0	33.4	98	85	4.5	0.0	2.2
औसत	**28.0**	**22.5**		**90**	**80**	**5.0**	**0.9**	**2.4**
कुल			**139.6**					**17.0**

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला– सरगुजा **के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी

१२ से १६ जुलाई २०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में हल्के से घने बादल छाए रह सकते हैं, **इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश एवं कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की सम्भावना हैं ।**
2. सरगुजा जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२६ से २७°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२१ से २२°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **९५-१००** प्रतिशत तथा दोपहर में **७५-८०** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पश्चिम एवं पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-५** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- धान की नर्सरी मे जब पौधे १५ दिनो के हो जाए तब यथाशीघ्र खेत की तैयारी कर रोपाई करे।
- बियासी के समय खेत में ५ से १० से. मी. जलस्तर होना चाहिए ।
- खेत मचाई के दुसरे दिन रोपाई करना उचित रहता है, धान की रोपाई माह के अंत तक समाप्त कर ले । रोपा लगाने समय एक स्थान पर दो से तीन पौधों की रोपाई करे ।
- धान में नत्रजन की २० से ३० प्रतिशत मात्रा बोते समय तथा शेष ३० प्रतिशत मात्रा कन्से आते समय तथा ४० प्रतिशत मात्रा गभोट के २० दिन पहिले डालना चाहिए । स्फुर व पोटाश की पूरी मात्रा बोवाई या रोपाई के समय कतारों में डालें ।
- किसान भाई धान की कतार में बुआई कर सकते है, यदि छिडकाव विधि से बुआई करना चाहते है तो ६०-८० किलोग्राम बीज की दर से बुआई करे ।
- कम वर्षा की स्थति में चवर (मध्यम) भूमि में कम अवधी में तैयार होने वाली धान की किस्मे जैसे, दन्तेश्वरी, सम्लेश्वरी, चंद्रहासिनी, MTU-1010, सहभागी, इंदिरा बारानी आदि की बुआई करे ।
- कतार बोनी धान में बोआई के 3 दिन के अंदर अंकुरण पूर्व प्रस्तावित निंदानाशक पेंडीमेथेलिन 3 लीटर प्रति हेक्टर 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें ।
- रोपा धान में सकरी पत्ती वाली एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के नियंत्रण हेतु बुवाई के 3 से 7 दिन के अंदर ब्यूटाक्लोर 3 लीटर दवा + 500 लीटर पानी प्रति हे. की दर से छिडकाव करें
- खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण हेतु अंकुरण पूर्व प्रयोग की जाने वाली निंदा नाशको का उपयोग फसल बोने के तुरंत बाद करे ।
- वर्तमान वर्षा की स्थति को ध्यान में रखते हुए किसान भाई अभी ऊपरी भूमि में अधिक से अधिक मात्र में मक्का, दलहन, तिलहन की बुआई कतारों में करे। खरपतवारो का समय पर नियंत्रण करे और उर्वरको का संतुलित मात्रा उपयोग करे।
- दलहन फसलों बीज बोने के पूर्व २.५ ग्राम थीरम प्रति किलोग्राम बीज से उपचारित करे, साथ ही सभी दलहनी फसलों के बीज राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना न भूले । उड़द की पीला मोजक रोग रोधी किस्म पन्त यू-३० लगावे ।
- मक्का व सोयाबीन में बोवाई के २०-३० दिनों के अन्दर निंदाई-गुड़ाई का कार्य करे ।
- गन्ने की फसलो में खरपतवारों को निकलकर मिट्टी चढ़ा दे ।
- टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की नर्सरी तैयार करे ।
- नये फल पौधो को इस माह लगाना आरम्भ करें । पौध लगाने के बाद आस-पास की मिट्टी को पैरों से भलीभांति दबा दे ।
- पुराने केले के पौधों में बगल से निकलने वाले सकर्स को अलग करे ।
- उद्यान नर्सरी में बडिंग, ग्राफ्टिंग का कार्य करे ।
- पशुओ के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर एवं (एच.एस.) गलघोटू रोग से बचाव के लिये पशु चिकित्सक के सलाह से मवेशियों का टीकाकरण करवाये ।
- मक्खियों के नियंत्रण हेतु पशु बाड़े की फर्श को फिनाईल मिले पानी से प्रतिदिन धोवें ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–११ जुलाई २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ेक्स– ०७७७४–२३२९८६

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला– **बलरामपुर के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी

१२ से १६ जुलाई २०१७ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में हल्के से घने बादल छाए रह सकते हैं, **इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश एवं कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की सम्भावना हैं ।**
2. बलरामपुर जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२६ से २७°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२१ से २२°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **९५-१००** प्रतिशत तथा दोपहर में **७५-८०** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पश्चिम एवं पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-५** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- धान की नर्सरी मे जब पौधे १५ दिनो के हो जाए तब यथाशीघ्र खेत की तैयारी कर रोपाई करे।
- बियासी के समय खेत में ५ से १० से. मी. जलस्तर होना चाहिए ।
- खेत मचाई के दुसरे दिन रोपाई करना उचित रहता है, धान की रोपाई माह के अंत तक समाप्त कर ले । रोपा लगाने समय एक स्थान पर दो से तीन पौधों की रोपाई करे ।
- धान में नत्रजन की २० से ३० प्रतिशत मात्रा बोते समय तथा शेष ३० प्रतिशत मात्रा कन्से आते समय तथा ४० प्रतिशत मात्रा गभोट के २० दिन पहिले डालना चाहिए । स्फुर व पोटाश की पूरी मात्रा बोवाई या रोपाई के समय कतारों में डालें ।
- किसान भाई धान की कतार में बुआई कर सकते है, यदि छिडकाव विधि से बुआई करना चाहते है तो ६०-८० किलोग्राम बीज की दर से बुआई करे ।
- कम वर्षा की स्थिति में चवर (मध्यम) भूमि में कम अवधी में तैयार होने वाली धान की किस्मे जैसे, दन्तेश्वरी, सम्लेश्वरी, चंद्रहासिनी, MTU-1010, सहभागी, इंदिरा बारानी आदि की बुआई करे ।
- कतार बोनी धान में बोआई के 3 दिन के अंदर अंकुरण पूर्व प्रस्तावित निंदानाशक पेंडीमेथेलिन 3 लीटर प्रति हेक्टर 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें ।
- रोपा धान में सकरी पत्ती वाली एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के नियंत्रण हेतु बुवाई के 3 से 7 दिन के अंदर ब्यूटाक्लोर 3 लीटर दवा + 500 लीटर पानी प्रति हे. की दर से छिडकाव करें
- खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण हेतु अंकुरण पूर्व प्रयोग की जाने वाली निंदा नाशको का उपयोग फसल बोने के तुरंत बाद करे ।

- वर्तमान वर्षा की स्थति को ध्यान में रखते हुए किसान भाई अभी ऊपरी भूमि में अधिक से अधिक मात्र में मक्का, दलहन, तिलहन की बुआई कतारों में करे। खरपतवारो का समय पर नियंत्रण करे और उर्वरको का संतुलित मात्रा उपयोग करे।
- दलहन फसलों बीज बोने के पूर्व २.५ ग्राम थीरम प्रति किलोग्राम बीज से उपचारित करे, साथ ही सभी दलहनी फसलों के बीज राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना न भूले । उड़द की पीला मोजक रोग रोधी किस्म पन्त यू-३० लगावे ।
- मक्का व सोयाबीन में बोवाई के २०-३० दिनों के अन्दर निंदाई-गुड़ाई का कार्य करे ।
- गन्ने की फसलो में खरपतवारों को निकलकर मिट्टी चढ़ा दे ।
- टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की नर्सरी तैयार करे ।
- नये फल पौधो को इस माह लगाना आरम्भ करें । पौध लगाने के बाद आस-पास की मिट्टी को पैरों से भलीभांति दबा दे ।
- पुराने केले के पौधों में बगल से निकलने वाले सकर्स को अलग करे ।
- उद्यान नर्सरी में बडिंग, ग्राफ्टिंग का कार्य करे ।
- पशुओ के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर एवं (एच.एस.) गलघोटू रोग से बचाव के लिये पशु चिकित्सक के सलाह से मवेशियों का टीकाकरण करवाये ।
- मक्खियों के नियंत्रण हेतु पशु बाड़े की फर्श को फिनाईल मिले पानी से प्रतिदिन धोवें ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–११ जुलाई २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ेक्स– ०७७७४–२३२९८६

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला–**जशपुर के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **१२ से १६ जुलाई २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में हल्के से घने बादल छाए रह सकते हैं, **इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश एवं कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की सम्भावना हैं ।**
2. जशपुर जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२६ से २७°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२१ से २२°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **९५-१००** प्रतिशत तथा दोपहर में **७५-८०** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पश्चिम एवं पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-५** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- धान की नर्सरी मे जब पौधे १५ दिनो के हो जाए तब यथाशीघ्र खेत की तैयारी कर रोपाई करे।
- बियासी के समय खेत में ५ से १० से. मी. जलस्तर होना चाहिए ।
- खेत मचाई के दुसरे दिन रोपाई करना उचित रहता है, धान की रोपाई माह के अंत तक समाप्त कर ले । रोपा लगाने समय एक स्थान पर दो से तीन पौधों की रोपाई करे ।
- धान में नत्रजन की २० से ३० प्रतिशत मात्रा बोते समय तथा शेष ३० प्रतिशत मात्रा कन्से आते समय तथा ४० प्रतिशत मात्रा गभोट के २० दिन पहिले डालना चाहिए । स्फुर व पोटाश की पूरी मात्रा बोवाई या रोपाई के समय कतारों में डालें ।
- किसान भाई धान की कतार में बुआई कर सकते है, यदि छिडकाव विधि से बुआई करना चाहते है तो ६०-८० किलोग्राम बीज की दर से बुआई करे ।
- कम वर्षा की स्थति में चवर (मध्यम) भूमि में कम अवधी में तैयार होने वाली धान की किस्मे जैसे, दन्तेश्वरी, सम्लेश्वरी, चंद्रहासिनी, MTU-1010, सहभागी, इंदिरा बारानी आदि की बुआई करे ।
- कतार बोनी धान में बोआई के 3 दिन के अंदर अंकुरण पूर्व प्रस्तावित निंदानाशक पेंडीमेथेलिन 3 लीटर प्रति हेक्टर 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें ।
- रोपा धान में सकरी पत्ती वाली एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के नियंत्रण हेतु बुवाई के 3 से 7 दिन के अंदर ब्यूटाक्लोर 3 लीटर दवा + 500 लीटर पानी प्रति हे. की दर से छिडकाव करें
- खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण हेतु अंकुरण पूर्व प्रयोग की जाने वाली निंदा नाशको का उपयोग फसल बोने के तुरंत बाद करे ।

- वर्तमान वर्षा की स्थति को ध्यान में रखते हुए किसान भाई अभी ऊपरी भूमि में अधिक से अधिक मात्र में मक्का, दलहन, तिलहन की बुआई कतारों में करे। खरपतवारो का समय पर नियंत्रण करे और उर्वरको का संतुलित मात्रा उपयोग करे।
- दलहन फसलों बीज बोने के पूर्व २.५ ग्राम थीरम प्रति किलोग्राम बीज से उपचारित करे, साथ ही सभी दलहनी फसलों के बीज राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना न भूले । उड़द की पीला मोजक रोग रोधी किस्म पन्त यू-३० लगावे ।
- मक्का व सोयाबीन में बोवाई के २०-३० दिनों के अन्दर निंदाई-गुड़ाई का कार्य करे ।
- गन्ने की फसलो में खरपतवारों को निकलकर मिट्टी चढ़ा दे ।
- टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की नर्सरी तैयार करे ।
- नये फल पौधो को इस माह लगाना आरम्भ करें । पौध लगाने के बाद आस-पास की मिट्टी को पैरों से भलीभांति दबा दे ।
- पुराने केले के पौधों में बगल से निकलने वाले सकर्स को अलग करे ।
- उद्यान नर्सरी में बडिंग, ग्राफ्टिंग का कार्य करे ।
- पशुओ के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर एवं (एच.एस.) गलघोटू रोग से बचाव के लिये पशु चिकित्सक के सलाह से मवेशियों का टीकाकरण करवाये ।
- मक्खियों के नियंत्रण हेतु पशु बाड़े की फर्श को फिनाईल मिले पानी से प्रतिदिन धोवें ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–११ जुलाई २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ेक्स– ०७७७४–२३२९८६

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला– **कोरिया के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **१२ से १६ जुलाई २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में हल्के से घने बादल छाए रह सकते हैं, **इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश एवं कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की सम्भावना हैं ।**
2. कोरिया जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२६ से २७°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२१ से २२°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **९५-१००** प्रतिशत तथा दोपहर में **७५-८०** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पश्चिम एवं पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-५** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- धान की नर्सरी मे जब पौधे १५ दिनो के हो जाए तब यथाशीघ्र खेत की तैयारी कर रोपाई करे।
- बियासी के समय खेत में ५ से १० से. मी. जलस्तर होना चाहिए ।
- खेत मचाई के दुसरे दिन रोपाई करना उचित रहता है, धान की रोपाई माह के अंत तक समाप्त कर ले । रोपा लगाने समय एक स्थान पर दो से तीन पौधों की रोपाई करे ।
- धान में नत्रजन की २० से ३० प्रतिशत मात्रा बोते समय तथा शेष ३० प्रतिशत मात्रा कन्से आते समय तथा ४० प्रतिशत मात्रा गभोट के २० दिन पहिले डालना चाहिए । स्फुर व पोटाश की पूरी मात्रा बोवाई या रोपाई के समय कतारों में डालें ।
- किसान भाई धान की कतार में बुआई कर सकते है, यदि छिडकाव विधि से बुआई करना चाहते है तो ६०-८० किलोग्राम बीज की दर से बुआई करे ।
- कम वर्षा की स्थति में चवर (मध्यम) भूमि में कम अवधी में तैयार होने वाली धान की किस्मे जैसे, दन्तेश्वरी, सम्लेश्वरी, चंद्रहासिनी, MTU-1010, सहभागी, इंदिरा बारानी आदि की बुआई करे ।
- कतार बोनी धान में बोआई के 3 दिन के अंदर अंकुरण पूर्व प्रस्तावित निंदानाशक पेंडीमेथेलिन 3 लीटर प्रति हेक्टर 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें ।
- रोपा धान में सकरी पत्ती वाली एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के नियंत्रण हेतु बुवाई के 3 से 7 दिन के अंदर ब्यूटाक्लोर 3 लीटर दवा + 500 लीटर पानी प्रति हे. की दर से छिडकाव करें
- खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण हेतु अंकुरण पूर्व प्रयोग की जाने वाली निंदा नाशको का उपयोग फसल बोने के तुरंत बाद करे ।

- वर्तमान वर्षा की स्थति को ध्यान में रखते हुए किसान भाई अभी ऊपरी भूमि में अधिक से अधिक मात्र में मक्का, दलहन, तिलहन की बुआई कतारों में करे। खरपतवारो का समय पर नियंत्रण करे और उर्वरको का संतुलित मात्रा उपयोग करे।
- दलहन फसलों बीज बोने के पूर्व २.५ ग्राम थीरम प्रति किलोग्राम बीज से उपचारित करे, साथ ही सभी दलहनी फसलों के बीज राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना न भूले । उड़द की पीला मोजक रोग रोधी किस्म पन्त यू-३० लगावे ।
- मक्का व सोयाबीन में बोवाई के २०-३० दिनों के अन्दर निंदाई-गुड़ाई का कार्य करे ।
- गन्ने की फसलो में खरपतवारों को निकलकर मिट्टी चढ़ा दे ।
- टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की नर्सरी तैयार करे ।
- नये फल पौधो को इस माह लगाना आरम्भ करें । पौध लगाने के बाद आस-पास की मिट्टी को पैरों से भलीभांति दबा दे ।
- पुराने केले के पौधों में बगल से निकलने वाले सकर्स को अलग करे ।
- उद्यान नर्सरी में बडिंग, ग्राफ्टिंग का कार्य करे ।
- पशुओ के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर एवं (एच.एस.) गलघोटू रोग से बचाव के लिये पशु चिकित्सक के सलाह से मवेशियों का टीकाकरण करवाये ।
- मक्खियों के नियंत्रण हेतु पशु बाड़े की फर्श को फिनाईल मिले पानी से प्रतिदिन धोवें ।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
राजमोहिनी देवी कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र,
अम्बिकापुर, जिला– सरगुजा (छ०ग०)
इंदिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय

संख्या–१०

दिनांक–११ जुलाई २०१७

इमेल: aas_ambikapur@yahoo.co.in

टेलीफोन एवं फ़ेक्स– ०७७७४–२३२९८६

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(जिला– **सूरजपुर के लिये**)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग, रायपुर द्वारा जारी **१२ से १६ जुलाई २०१७ तक के** मौसम पूर्वानुमान के अनुसार –

1. अगले पांच दिनों में छत्तीसगढ़ के उत्तरीय पहाड़ी क्षेत्रों में आसमान में हल्के से घने बादल छाए रह सकते हैं, **इस दौरान हल्की से मध्यम बारिश एवं कुछ स्थानों पर भारी वर्षा होने की सम्भावना हैं ।**
2. सूरजपुर जिले मे अधिकतम तापमान लगभग **२६ से २७°C** रहने की संभावना है एवं न्यूनतम तापमान **२१ से २२°C** के बीच रह सकता है।
3. सुबह हवा में **९५-१००** प्रतिशत तथा दोपहर में **७५-८०** प्रतिशत नमी रहने की संभावना है ।
4. आने वाले दिनो में हवा मुख्यत: दक्षिण-पश्चिम एवं पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, तथा इसकी गति लगभग **२-५** किलो मीटर प्रति घंटा रहने कि संभावना है।

किसानों के लिये समसामयिक सुझाव

- धान की नर्सरी मे जब पौधे १५ दिनो के हो जाए तब यथाशीघ्र खेत की तैयारी कर रोपाई करे।
- बियासी के समय खेत में ५ से १० से. मी. जलस्तर होना चाहिए ।
- खेत मचाई के दुसरे दिन रोपाई करना उचित रहता है, धान की रोपाई माह के अंत तक समाप्त कर ले । रोपा लगाने समय एक स्थान पर दो से तीन पौधों की रोपाई करे ।
- धान में नत्रजन की २० से ३० प्रतिशत मात्रा बोते समय तथा शेष ३० प्रतिशत मात्रा कन्से आते समय तथा ४० प्रतिशत मात्रा गभोट के २० दिन पहिले डालना चाहिए । स्फुर व पोटाश की पूरी मात्रा बोवाई या रोपाई के समय कतारों में डालें ।
- किसान भाई धान की कतार में बुआई कर सकते है, यदि छिडकाव विधि से बुआई करना चाहते है तो ६०-८० किलोग्राम बीज की दर से बुआई करे ।
- कम वर्षा की स्थति में चवर (मध्यम) भूमि में कम अवधी में तैयार होने वाली धान की किस्मे जैसे, दन्तेश्वरी, सम्लेश्वरी, चंद्रहासिनी, MTU-1010, सहभागी, इंदिरा बारानी आदि की बुआई करे ।
- कतार बोनी धान में बोआई के 3 दिन के अंदर अंकुरण पूर्व प्रस्तावित निंदानाशक पेंडीमेथेलिन 3 लीटर प्रति हेक्टर 500 लीटर पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें ।
- रोपा धान में सकरी पत्ती वाली एवं चौड़ी पत्ती वाले खरपतवार के नियंत्रण हेतु बुवाई के 3 से 7 दिन के अंदर ब्यूटाक्लोर 3 लीटर दवा + 500 लीटर पानी प्रति हे. की दर से छिडकाव करें
- खरपतवारों के प्रभावी नियंत्रण हेतु अंकुरण पूर्व प्रयोग की जाने वाली निंदा नाशको का उपयोग फसल बोने के तुरंत बाद करे ।

- वर्तमान वर्षा की स्थति को ध्यान में रखते हुए किसान भाई अभी ऊपरी भूमि में अधिक से अधिक मात्र में मक्का, दलहन, तिलहन की बुआई कतारों में करे। खरपतवारो का समय पर नियंत्रण करे और उर्वरको का संतुलित मात्रा उपयोग करे।
- दलहन फसलों बीज बोने के पूर्व २.५ ग्राम थीरम प्रति किलोग्राम बीज से उपचारित करे, साथ ही सभी दलहनी फसलों के बीज राइजोबियम कल्चर से उपचारित करना न भूले । उड़द की पीला मोजक रोग रोधी किस्म पन्त यू-३० लगावे ।
- मक्का व सोयाबीन में बोवाई के २०-३० दिनों के अन्दर निंदाई-गुड़ाई का कार्य करे ।
- गन्ने की फसलो में खरपतवारों को निकलकर मिट्टी चढ़ा दे ।
- टमाटर, मिर्च, बैंगन एवं फूलगोभी की नर्सरी तैयार करे ।
- नये फल पौधो को इस माह लगाना आरम्भ करें । पौध लगाने के बाद आस-पास की मिट्टी को पैरों से भलीभांति दबा दे ।
- पुराने केले के पौधों में बगल से निकलने वाले सकर्स को अलग करे ।
- उद्यान नर्सरी में बडिंग, ग्राफ्टिंग का कार्य करे ।
- पशुओ के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर एवं (एच.एस.) गलघोटू रोग से बचाव के लिये पशु चिकित्सक के सलाह से मवेशियों का टीकाकरण करवाये ।
- मक्खियों के नियंत्रण हेतु पशु बाड़े की फर्श को फिनाईल मिले पानी से प्रतिदिन धोवें ।

नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
कृषि मौसम विज्ञान विभाग